

---

Bharatam Mahiyate

भारतं महीयते

Document Information

---

Text title : Bharatam Mahiyate

File name : bhArataMmahIyate.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : vijayan vi. paTTAmbI

Acknowledge-Permission: Vijayan V. Pattambi

Latest update : August 11, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 12, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

भारतं महीयते



भारतं महीयते सत्यधर्मं संभृतम्  
त्यागशीलमाश्रितं सर्वलोकरक्षकम् ॥ १ ॥  
सर्वशास्त्रवर्धकं सर्वसौख्यदायकम् ।  
सर्वधर्मपोषकं सर्वदुःखहारकम् ॥ २ ॥  
शान्तिगीतिपाठकं सर्वदोषनाशकम् ।  
सत्त्वशुद्धिवर्धकं सर्वलोकवन्दितम् ॥ ३ ॥  
याज्ञवल्क्यसम्मिताः राष्ट्रधर्मपालकैः ।  
नीतिशास्त्रबोधनं जीवनाय स्वीकृतम् ॥ ४ ॥  
भारताख्यकाव्यदीपशोभितं महीतलम् ।  
योगशास्त्रदत्तसौख्यसभृतं हि भारतम् ॥ ५ ॥  
भ्रातृभावसूचकं वीरकर्मदर्शकम् ।  
भावये च भारतं पावनं सनातनम् ॥ ६ ॥  
सत्यदीपमाश्रितं सज्जनैश्च पूरितम् ।  
तं नमामि मामकं जन्मभूमिभारतम् ॥ ७ ॥

— विजयन् वि. पट्टाम्बी

